जिसको पीकर नाची मीरा,
नाचा दास कबीरा,
वही तुम हमे पिलादो।।

तर्ज मिलो न तुम तो हम घबराए।

ओ नँगली वालिये,
दे दो हमे भी गुरु नाम रे,
नज़रो हमको अपनी,
कोई पिलादो ऐसा जाम रे,
पीकर जिसको हनुमत नाचा,
लँका सारी जला दी,
वही तुम हमे पिलादो।।

ओ हाराँ वालिये,
रँगलो प्रभू जी अपने रँग मे,
भर दो नशा तुम ऐसा,
आज मेरे अँग अँग मे,
जैसे दीप मे जले पतँगा,
प्रीत मे प्राण गँवाए,
वही तुम हमे पिलादो।।

आँखो मे तेरी सूरत,
मूरत बसादो तन मन मे,

दीप जलाके सतगुरू,
कर दो उजाला मेरे मन में,
जिसको पाने की खातिर,
में योगी भटके वन मे,
वही तुम हमे पिलादो।।

जिसको पीकर नाची मीरा,
नाचा दास कबीरा,
वही तुम हमे पिलादो।।

– भजन लेखक एवं प्रेषक –
शिवनारायण वर्मा,
मोबा.न.8818932923

वीडियो अभी उपलब्ध नहीं।

Source: https://www.bharattemples.com/jisko-peekar-naachi-meera/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw